सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 275 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, मंगलवार, 14 नवम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

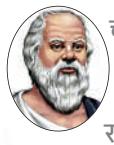

चाहे जो हो जाये शादी कीजिये। अगर अच्छी पत्नी मिली तो आपकी जिन्दगी खुशहाल रहेगी। अगर बुरी पत्नी मिलेगी तो आप दार्शनिक बन जायेंगे।

-सुकरात

जिद...सच की

भारत-न्यूजीलैंड का हाईवोल्टेज सेमीफाइनल... 7 | छत्तीसगढ़ में सीधी लड़ाई भाजपा वे... 3 | पिछली सरकारों की दोषपूर्ण नीतियों... 2

चुनावी जनसभाओं में राम मंदिर का प्रवेश, सियासत भी तेज

विपक्ष बोला- बीजेपी हार देख बुनियादी मुद्दों से भटका रही

» मोदी-शाह ने उठाना शुरू किया राम का मुद्दा

» शिवसेना उद्धव गुट ने की आपत्ति, बोली- आयोग ले संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे चुनावी राज्यों में मतदान करीब आते जा रहे हैं वैसे-वैसे नेताओं के एक दूसरे पर हमले भी तेज होते जा रहे हैं। जहां कांग्रेस के निशाने पर मोदी व बीजेपी की सरकारें हैं। विपक्षी दल महंगाई, बेरोजगारी, सांप्रदायिकता जैसे मुद्दे उठाने की कोशिश कर रही हे तो बीजेपी चुनाव को धर्म व राम के इर्द-गिर्द रखने के फिराक में लग गई है। पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह जनसभाओं में राममंदिर निर्माण को जहां जोर-शोर उठा रहे है वहीं विपक्ष इसको लेकर भाजपा पर चुनाव आचार सहिंता उल्लंघन का आरोप लगा, आयोग से शिकायत कर रही है।

दरअसल, एक सभा में गृहमंत्री शाह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राउत ने इस बात पर जोर दिया कि भगवान राम किसी विशिष्ट क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए पूजनीय हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसका तात्पर्य यह है कि यदि भाजपा मध्य प्रदेश में हार जाती है, तो पार्टी राज्य के निवासियों को दर्शन करने से रोक देगी या उन पर आरोप लगा देगी क्योंकि उन्होंने भाजपा को वोट नहीं दिया। वहीं राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह हमेशा चुनावों से पहले धार्मिक आधार पर लोगों को भड़काने के अपने एजेंडे पर अड़ी रहती है।

राउत ने चुनाव आयोग से की शाह की शिकायत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को चुनाव आयोग से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया, जिसे उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं का उपयोग करने का प्रयास बताया। राउत की टिप्पणी मध्य प्रदेश के गुना जिले में चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह द्वारा दिए गए बयानों के जवाब में आई है, जहां उन्होंने वादा किया था कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता बरकरार रखती है तो वह अयोध्या में भगवान राम के दर्शन का खर्च वहन करेगी। शाह ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मंदिर के निर्माण में कथित रूप से बाधा डालने के लिए कांग्रेस पार्टी की भी आलोचना की। संजय राउत ने कहा, हमारे देश में किस तरह की राजनीति चल रही है? चुनाव आयोग को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। भारतीय जनता पार्टी राज्य में सत्ता बरकरार रखना चाहती है। शाह ने कहा था कि जब वह भाजपा अध्यक्ष थे तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी राम मंदिर निर्माण की तारीख पूछते थे। उन्होंने कहा,'मैं कह रहा हूं कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने रैली में एकत्र लोगों से पूछा कि क्या वे भगवान राम के नवनिर्मित मंदिर में पूजा करने के वास्ते अयोध्या जाने के लिए पैसे खर्च करेंगे?

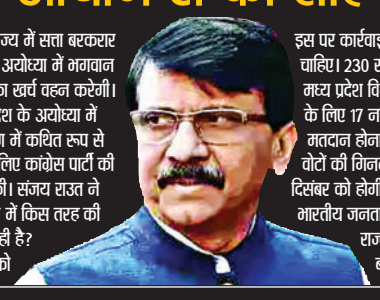

राहुल को मिला मंत्र : डरो मत आगे बढ़ो, भय मन का वहम

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी केदारनाथ की धार्मिक यात्रा से मौनी बाबा का एक मंत्र लेकर लौटे हैं। यह मंत्र है डरो मत, भय मन का वहम है। केदारनाथ से लौटने के एक हफ्ते बाद राहुल गांधी ने अपनी यात्रा का एक वीडियो एक्स पर अपलोड किया है। इस वीडियो में राहुल रात के समय केदारपुरी में मौनी बाबा की कुटिया में बैठे हैं और उनसे प्रश्न कर रहे हैं। इन प्रश्नों के उत्तर बाबा लिखकर दे रहे हैं। यह वीडियो

» केदारनाथ यात्रा का वीडियो किया अपलोड

सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है। एक्स पर राहुल लिखते हैं, भय मन का वहम है। केदारनाथ में मौनी बाबा से डरो मत का रहस्य और उनकी वर्षों की तपस्या को नजदीक से जाना। इस छोटे से वीडियो में राहुल कुटिया में मौनी बाबा से संवाद करने के अलावा वहां भोजन करते हुए भी दिख रहे हैं। बाबा से राहुल पूछ रहे हैं, आपने 11 साल मौन क्यों रखा? मौनी बाबा ने जवाब लिखकर दे रहे हैं। लिखा, ये तो केदार बाबा ही जानें। 11 साल न बोलने के बाद आप में क्या बदलाव दिखा? जवाब में मौनी बाबा ने लिखा, सब केदार बाबा की मर्जी। राहुल कहते हैं, हां, मैं जानता हूं। बाबा राहुल को इशारा करते हैं, आप कुछ खाओगे, राहुल भी इशारों में जवाब देते हैं, थोड़ा सा? फिर वीडियो में एक बाबा दिखाई दे रहे हैं जो कुटिया में तवे पर मोटी-मोटी रोटी सेक रहे हैं। राहुल अपने फोन पर मौनी बाबा को प्रियंका की तस्वीर दिखाते हैं। बाबा राहुल की पीठ पर जोर-जोर से हाथ रखते हुए उन्हें आशीर्वाद देते हैं। राहुल उनसे पूछते हैं, भय को कैसे देखते हैं? मौनी बाबा जवाब देते हैं, भय मन का वहम है। एक अन्य बाबा कह रहे हैं, इंसान शांत रहे तो अहंकार अपने आप मर जाता है।

हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के बैतूल में जनसभा के दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ये वही कांग्रेस है, जिसको लगता था राम मंदिर नहीं बनेगा, अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण पूरा होने की कगार पर है, हम जो कहते हैं करके दिखाते हैं। पीएम मोदी ने कहा, कल वो जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा की धरती पर जा रहे है। उन्होंने कहा, हमने अपनी सरकार के खजाने गरीबों के लिए खोल दिये। कांग्रेस का पंजा लूटना जानता है। आज हमें पूरे एमपी से रिपोर्ट मिल रही है कि कांग्रेस ने हार मान ली है। कांग्रेस ने मान लिया है कि मोदी की गारंटी के सामने कांग्रेस के झूठे वादे एक पल भी नहीं टिक सकते, मोदी की गारंटी का मतलब है, गारंटी पूरा होने की गारंटी. जैसे-जैसे 17 नवंबर की तारीख नजदीक आ रही है. वैसे-वैसे कांग्रेस के नेताओं के दावों की पोल खुलती जा रही है। यह चुनाव कांग्रेस के भ्रष्टाचार और लूट की हथेली को मध्य प्रदेश के लॉकर को छूने से रोकने के लिए है। आपको याद रखना चाहिए, कांग्रेस की हथेली चोरी करना जानती है। आप जानते हैं कि कांग्रेस जहां भी आती है, विनाश लाती है। मैंने सुना कल एक महाज्ञानी कांग्रेस कह रहे थे कि भारत के पास , यहां के सब लोगों के पास मेड इन चाइना मोबाइल फोन आता है। अरे मूर्ख के सरदार, किस दुनिया में रहते हैं ये लोग। कांग्रेस के नेताओं को अपने देश की उपलब्धियों ना दिखाने की मानसिक बीमारी है।

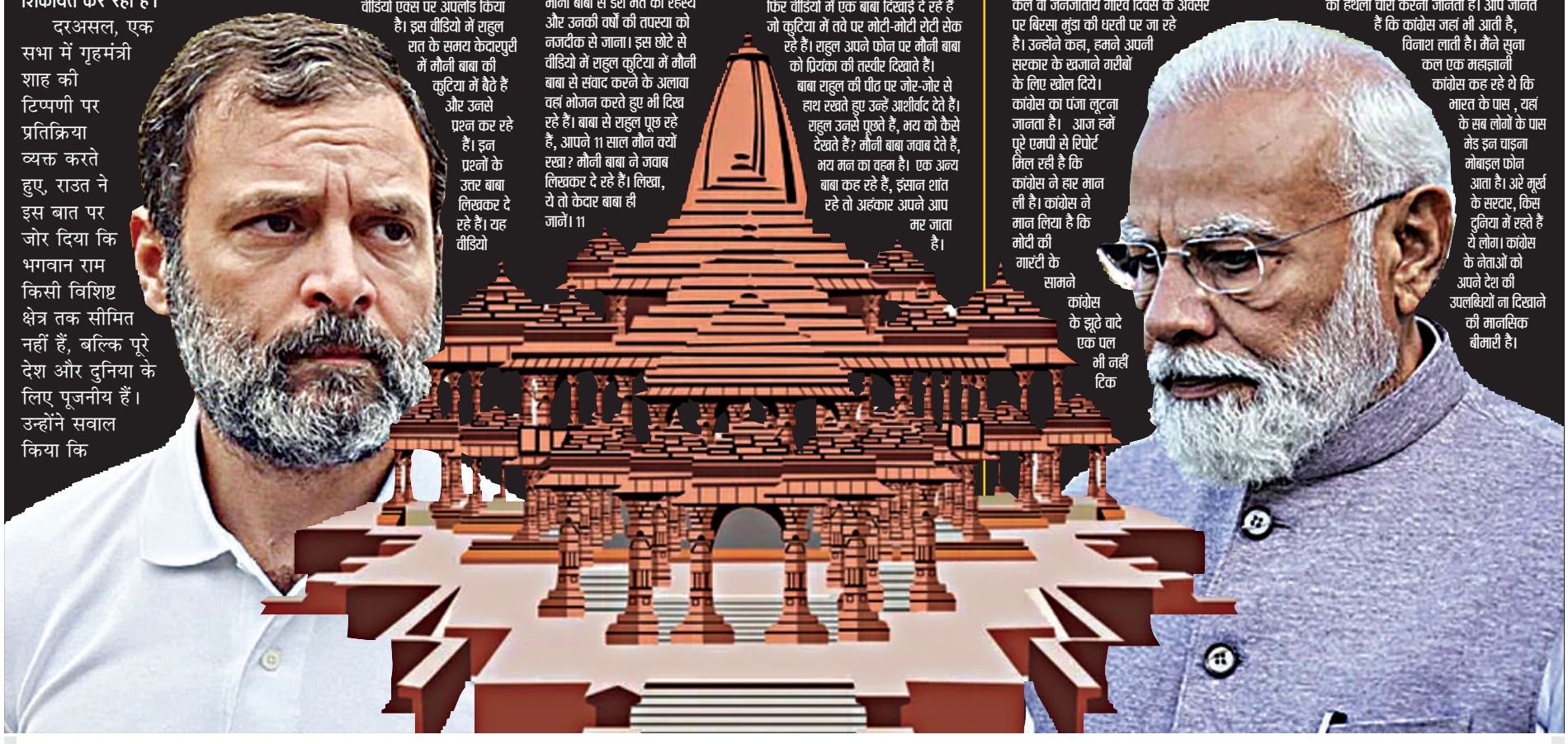

पिछली सरकारों की दोषपूर्ण नीतियों के चलते नहीं हो सकी जातीय जनगणना : अखिलेश

» राहुल के एक्सरे वाले बयान पर कांग्रेस नेता पर भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा की गई जातीय गणना की मांग के बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सवाल उठाया है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों ने सत्ता में रहते हुए जातीय गणना क्यों नहीं की। अखिलेश यादव की इस टिप्पणी के बाद विपक्षी मोर्चे में शामिल दोनों पार्टियों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की जातीय गणना की मांग और एक्स-रे वाली टिप्पणी पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पिछली सरकारों ने अपनी दोषपूर्ण नीतियों की वजह से इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। सपा नेता ने मध्य प्रदेश के सतना में एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कांग्रेस पर निशाना साधा। बता दें कि राहुल गांधी ने सोमवार को एक रैली में कहा था कि जातीय गणना एक एक्स-रे की तरह होगी, जो विभिन्न समुदायों का पूरा विवरण देगी, राहुल के इस बयान पर अखिलेश ने कहा है कि कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब उसने एक्स-रेन हीं करवाया। सपा प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस की जातीय गणना की मांग है। राहुल गांधी और कांग्रेस पर वार करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो यह समस्या उसी समय हल हो सकती । अगर एक्स रे उसी समय हो गया होता, तो परेशानी नहीं बढ़ती, उन्होंने कहा कि अब तो एमआरआई और सीटी स्कैन की जरूरत है, क्योंकि बीमारी बढ़ चुकी है। सपा नेता ने कहा कि कांग्रेस की जातीय गणना की मांग करना सबसे बड़ा चमत्कार है, क्योंकि यह वही पार्टी है, जिसने आजादी के बाद जातीय गणना नहीं करवाई। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और आप के बीच दरार खुलकर सामने आने लगी है, अखिलेश यादव ने 17 नवंबर को होने जा रहे मध्य प्रदेश चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर उनके संबंधों में खटास आने के बीच दावा किया कि कांग्रेस उनके साथ गठबंधन नहीं करना चाहती।

वोटों की खेती लिए कांग्रेस उठा रही मुद्दे

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जातीय गणना नहीं करवाने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा, जब नेता जी (मुलायम सिंह यादव), शरद यादव, लालू प्रसाद यादव और दक्षिण भारत की पार्टियों ने लोकसभा में जातीय जनगणना की मांग उठाई थी, तब कांग्रेस ने ऐसा करने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस जातीय गणना इसलिए कराना चाहती है, क्योंकि कांग्रेस को पता है कि उनका पारंपरिक वोट बैंक उनके साथ नहीं है, और पिछड़ा वर्ग, दलित और आदिवासियों को भी पता है कि आजादी के बाद कांग्रेस ने उन्हें धोखा दिया था।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर बिफरे आचार्य कृष्णम

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया साइट पर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में किसी भी नस्ल और जाति में दो हाथ वाले बच्चे पैदा होते हैं तो चार हाथ वाली लक्ष्मी कैसे पैदा हो गईं। अगर आपको पूजा करनी ही है तो अपनी पत्नी की करें जो कि पूरी निष्ठा से पूरे परिवार की देखभाल करती है। उनके इस बयान पर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद के मुंह में बवासीर हो गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध कर कहा कि उनके (स्वामी प्रसाद) बोलने पर पाबंदी लगाई जाए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने दीपोत्सव के अवसर पर अपनी पत्नी की पूजा व सम्मान करते हुए कहा कि पूरे विश्व के प्रत्येक धर्म, जाति, नस्ल, रंग व देश में पैदा होने वाले बच्चे के दो हाथ, दो पैर, दो कान, दो आंख, दो छिद्रों वाली नाक के साथ एक सिर, पेट व पीठ ही होती है। चार हाथ, आठ हाथ, दस हाथ, बीस हाथ व हजार हाथ वाला बच्चा आज तक पैदा ही नहीं हुआ तो चार हाथ वाली लक्ष्मी कैसे पैदा हो सकती है? यदि आप लक्ष्मी देवी की पूजा करना ही चाहते हैं तो अपने घरवाली की पूजा व सम्मान करें।

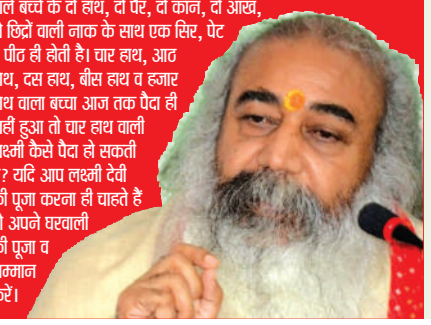

मेरे पिता का नीतीश ने किया अपमान : चिराग पासवान

» पीएम मोदी के पासवान को याद करने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक और दलित राजनीति के सिरमौर दिवंगत राम विलास पासवान का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपमान किया। उस अपमान की जानकारी पर मैंने मुख्यमंत्री से दूरी बनाई। मेरे पिता को भगवान बताने वाले लोगों को इस अपमान की जानकारी थी, लेकिन वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हो लिए। मैं यह दर्द छिपाए रखना चाहता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातें प्रमाण के रूप में लोगों के सामने हैं।

जमुई के सांसद चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अपने चाचा पशुपति कुमार पारस को अपने पिता दिवंगत राम विलास पासवान का दोषी बताते हुए 2020 के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अलग चुनाव लड़ने की वजह का इसी तरह खुलासा किया है। पीएम मोदी ने तेलंगाना में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि दलितों का सम्मान सिर्फ भाजपा करती है। नीतीश खुद को पिछड़े-दलितों का हितैषी बताते हैं पर सच में ऐसा नहीं है।

हादसे में प्रभावितों को मिले पूरी मदद : महबूबा

» आग से तबाह हुए हाउसबोटों का किया दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में डल झील पर लगी भीषण आग से क्षतिग्रस्त कई हाउसबोटों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावितों से मुलाकात की और हादसे के प्रति दुख प्रकट किया। महबूबा मुफ्ती ने इसे लेकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से प्रभावित हाउसबोट मालिकों को आसान ऋण और अन्य आवश्यक चीजें प्रदान करने की मांग की।

एक्स पर अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सुप्रीमो ने उम्मीद जताई कि भविष्य में फायर स्टेशन ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद करेंगे। शनिवार को श्रीनगर जिले में डल झील पर एक हाउसबोट में आग लग गई। फिर उसने अपने आसपास के चार अन्य हाउसबोट और पांच हट को चपेट में ले लिया। इससे तीन पर्यटकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अनिन्दया कौशाल, दास गुप्ता और मोहम्मद मोइनुद के रूप में हुई है, जो हाउसबोट सफीना में रुके हुए थे। तीनों बंगला देश के रहने वाले थे।

पीडीपी छोड़ आजाद से जुड़े चचेरे भाई सरवर

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को एक बड़ा झटका देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के चचेरे भाई सरवर मुफ्ती ने डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का दामन थाम लिया है। अनंतनाग के बिजबिहाड़ा इलाके में डीपीएपी अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद की अध्यक्षता में हुए समारोह में पार्टी में शामिल हुए। इससे पहले आजाद सहित अन्य नेताओं के साथ मुफ्ती मुहम्मद सईद की कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए पादशाही बाग पहुंचे। वहां कब्रिस्तान के गेट पर ताला लगा था, जिस कारण उन्हें बाहर ही फातिहा पढ़नी पढ़ी। इस बीच डीपीएपी नेता मोहम्मद अमीन भट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कब्रिस्तान का गेट रवींद्र रैना के लिए खुला था, लेकिन आजाद के लिए बंद कर दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री आजाद ने कहा कि पीडीपी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती साहब मेरे अच्छे साथी रहे और मैं उन के मकबरे पर फातिहा पढ़ने के लिए आया था, लेकिन अफसोस से गेट पर ताला लगा हुआ था। पीडीपी कमरे के अंदर एक और बाहर दूसरी बात करती है। भाजपा के लिए कब्रिस्तान पर कोई ताला नहीं लगता, लेकिन मेरे लिए द्वार बंद कर दिए जाते हैं।

मुस्लिम लड़कियों के लिए अलग से खोलें स्कूल : मदनी

» बोले-दूसरी जाति में शादी नहीं करते हिंदू तो मुस्लिम लड़कियों को क्यों बनाया जा रहा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। देश में मुस्लिमों के प्रमुख संगठन जमीयत उलमा-ए-हिंद के देवबंद में हुए एक दिवसीय सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी ने इस्राइल-फलस्तीन युद्ध, बढ़ती हुई सांप्रदायिकता समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर तीखे बयान दिए। इसके साथ ही मौलाना मदनी ने षडयंत्र के तहत मुस्लिम लड़कियों को निशाना बनाने पर सवाल खड़े किए और मुस्लिम समाज से लड़कियों के लिए अलग से स्कूल कॉलेज खोलने का आह्वान किया।

इस एक दिवसीय सम्मेलन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 17 जनपदों के डेढ़ हजार से अधिक जमीयत के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसमें मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि फलस्तीन-इस्राइल युद्ध की वजह से सांप्रदायिकता में बढ़ोतरी हुई है। फलस्तीन के लोग अपनी आजादी के लिए लड़ रहे हैं, जबकि इस्राइल उन्हें गुलाम बनाना चाहता है। मौलाना मदनी ने कहा की देश में एक षडयंत्र यह चल रहा है कि मुस्लिम लड़कियों का धर्मपरिवर्तन कराया जा रहा है। यह साफ है कि हिंदू धर्म में एक जाति की शादी दूसरी जाति में नहीं हो सकती। तो फिर मुस्लिम लड़कियों को क्यों टारगेट किया जा रहा है। इसलिए मुसलमानों को चाहिए कि वह अपनी बेटियों के लिए अलग से स्कूल कॉलेज की स्थापना करें। उन्होंने कहा कि किसी भी मुल्क की आजादी दूध पीकर नहीं बल्कि कुर्बानियां देकर मिलती है। मौलाना मदनी ने कहा कि इस्राइल की बर्बर कार्रवाई में बेकसूर लोगों की जान जा रही है। मासूम बच्चों तक का खून बहाया जा रहा है। लेकिन सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता और सच्चाई यह है कि फलस्तीन आजाद होकर रहेगा। मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि सांप्रदायिकता के नारे लगाने वाले लोगों को सोचना चाहिए कि इससे मुल्क खुशहाल नहीं बल्कि बरबाद होगा। इसलिए सभी को चाहिए कि देश को इस रास्ते पर चलने से रोका जाए। कहा कि मुल्क के हालत इतने खराब हैं कि जरा सी गाड़ी टकरा जाए तो कत्ल तक कर दिया जाता है।

आजादी दूध पीकर नहीं कुर्बानियां देकर मिलती है

इस्लामिक संस्कारों की रक्षा करना जमीयत का मूल उद्देश्य : रशीदी

जमीयत के प्रांतीय अध्यक्ष मौलाना अशहद रशीदी ने जमीयत की स्थापना के उद्देश्य पर रोशनी डालते हुए कहा कि जमीयत की स्थापना का उद्देश्य राष्ट्र एवं देशसेवा करना और इस्लामिक संस्कारों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा की जमीयत लोकतंत्र की मजबूती के लिए मैदान में डटी हुई है।

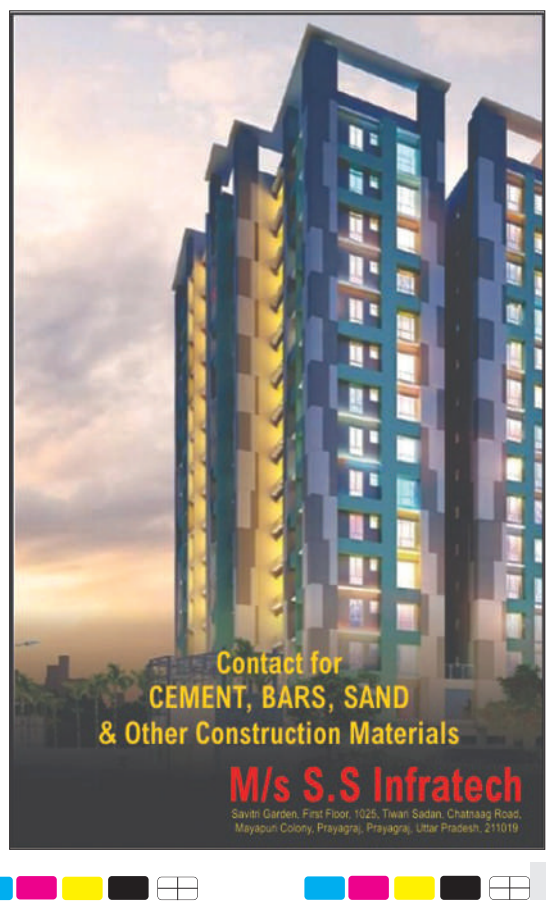

क्या छोटे दल कर पाएंगे कमाल

छत्तीसगढ़ में सीधी लड़ाई भाजपा व कांग्रेस में

» विशेषज्ञों का कहना- क्षेत्रीय पार्टियों के प्रभाव से बन सकती है त्रिशंकु विधानसभा

» भूपेश बघेल पर राज्य की जनता का भरोसा

» रमन सिंह भी पसंद बनकर उभरे

» बसपा, आप व जनता कांग्रेस का भी जनाधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 8 नवंबर को पहले चरण का मतदान हो चुका है। जब से यह आदिवासी राज्य बना है वहां पर कांग्रेस व बीजेपी के बीच ही सत्ता रही है, या कहा जा सकता है कि दोनों की धुरी के बीच की वहां की सियासम घूमती है। चूकि राज्य का गठन अटल सरकार के समय में हुआ था इसिलये यहां पर भाजपा का वर्चस्व रहा। उसी का नतीजा था रमन सिंह की सरकार वहां पर 15 साल सत्ता में रही। उसके बाद 2018 में कांग्रेस की ओर से भूपेश बघेल ने सत्ता को संभाला। दोनों प्रमुख दलों के अलावा वहां पर कुछ क्षेत्रीय दल भी अपनी उपस्थिती दर्ज कराने में जुटें हैं। इसमें सपा, बसपा, आप व अन्य कई दल अपनी ताकत बढ़ाने की जुगत में हैं। पर सफल नहीं हो पा रही हैं।

दरअसल, राज्य की स्थापना के बाद से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ का चुनाव दो ध्रुवों के बीच बंटा रहा है। अपने वे पार्टियां जो कांग्रेस व बीजेपी के अलावा है वह इतनी सीटें बटोर लें कि सीटों के लिहाज से इस छोटे प्रदेश में वह किंग मेकर बन सकें या किसी प्रकार के मोल-भाव की स्थितियों में आ जाएं। 2003 के पहले विधानसभा चुनावों से लेकर 2018 के विधानसभा चुनावों तक जाति या किसी समाज के प्रतिनिधित्व का दावा करने वाली यह क्षेत्रीय पार्टियां सीट पाने के मामले में अब तक कोई कमाल नहीं कर सकी है। ना ही इन पार्टियों का प्रदर्शन इतना महत्वपूर्ण रहा है कि कांग्रेस और बीजेपी को परेशान कर सके। पर इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि ये पार्टियां खेल बिगाड़ने की हैसियत नहीं रखतीं। छोटी-छोटी मार्जिन से होने वाली चुनावी जीत-हार में इन पार्टियों को मिला वोट कई बार निर्णायक साबित होता रहा है।

जनता कांग्रेस देगी 84 सीटों पर टक्कर

अजीत जोगी के द्वारा बनाई गई पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ इस बार 84 सीटों पर लड़ रही है। खुद अमित जोगी पाटन सीट पर मुख्यमंत्री के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। 2018 के चुनाव में जोगी कांग्रेस, बसपा और सीपीआई के गठबंधन को 11 फीसदी वोट मिले थे। पांच सीटें अजीत जोगी की पार्टी को और दो सीटें बसपा को मिलीं थीं। इस बार राजनीतिक समीकरण बदले हुए हैं। अजीत जोगी नहीं रहे। अजीत जोगी के साथ कांग्रेस छोड़कर आए बहुत सारे नेता या तो कांग्रेस में लौट गए या फिर उन्होंने कोई दूसरा ठिकाना तलाश लिया। बसपा इस बार जोगी की पार्टी के साथ नहीं है। इन बदले हुए राजनीतिक हालातों पर जोगी की पार्टी किस तरह चुनाव का प्रबंधन कर रही है इस पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समालोचक दिवाकर मुक्तिबोध कहते हैं कि पिछले चुनाव में अजीत जोगी ऐसा माहौल रचने में सफल रहे थे जहां दोनों पार्टियों को यह लग रहा था कि अजीत कुछ सीटें जीतने में सफल हो सकते हैं। इस बार का माहौल ऐसा नहीं है। राजनीतिक गलियारों में अमित जोगी पर बीजेपी की बी टीम होने का आरोप है। टिकट देने में भी उन्होंने सात साल पुरानी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बजाय बीजेपी और कांग्रेस के बागी नेताओं को चुना है। जिसमें ज्यादातर कांग्रेस के बागी हैं। कुछ सीटें ऐसी हैं जहां वह कांग्रेस को असहज तो कर सकते हैं लेकिन वह चुनाव में बहुत महत्वपूर्ण असर डाल पाएंगे ऐसा होता नहीं दिख रहा है। वरिष्ठ टीवी पत्रकार बरुण सखाजी इसमें कुछ बातें और जोड़ते हैं। वह कहते हैं कि अमित जोगी ने खुद पाटन सीट से लड़कर चुनाव को रोचक तो बना दिया है लेकिन पूरे प्रदेश में वह कोई माहौल बना पाए हैं ऐसा होता नहीं दिखता। ज्यादातर प्रत्याशी मुख्य लड़ाई से बाहर हैं। रेणु और रिचा जोगी की सीट खुद भी त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी है। हालांकि उन्हीं स्थिति बाकी उम्मीदवारों से बेहतर है।

छोटे दल बिगाड़ सकते हैं खेल

इन दलों के अलावा कुछ और छोटी पार्टियां भी छत्तीसगढ़ के चुनावों में दावेदारी प्रस्तुत कर रही हैं। बस्तर के भानु प्रतापपुर के उपचुनाव में 22 हजार वोट पाकर चर्चाओं में आने वाली हमर राज पार्टी भी एक ऐसी दावेदार है। इस पार्टी के प्रमुख अरविंद नेताम एक दर्जन से अधिक सीटों पर पार्टी के दबदबे का दावा करते रहे हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ क्रांति सेना से बनी जोहार छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल ने प्रदेश की 46 सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े किए हैं। वह 44 बिंदुओं पर अपनी पार्टी का घोषणा पत्र भी लॉन्च कर चुके हैं। इन छोटी पार्टियों की कोशिशों पर टीवी पत्रकार बरुण सखाजी कहते हैं कि उपचुनावों में यह पार्टियां जरुर दमखम दिखाती हैं लेकिन मुख्य चुनाव में जब चुनाव अपने निर्णायक मुकाम पर पहुंच जाता है तो उस दौड़ में यह पार्टियां पीछे छूटने लगती हैं। अभी के राजनीतिक वातावरण को देखकर यह लगता है कि यह पार्टियां भले खुद सीटें ना जीते लेकिन वह दोनों बड़ी पार्टियों का नुकसान जरूर कर सकती हैं। इसमें ज्यादा नुकसान कांग्रेस का होना तय माना जा रहा है।

बसपा ने लगाई पूरी ताकत

कांशीराम के जमाने से ही राज्य में जड़े जमाने वाली बहुजन समाज पार्टी इस बार फिर से छत्तीसगढ़ में ताल ठोंक रही है। बीते चुनाव में अजीत जोगी की पार्टी से गठबंधन करने वाली बसपा इन चुनावों में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ एलांयस में है। बसपा 58 तो गोडंवाना गणतंत्र पार्टी 32 सीटों पर लड़ रही है। बसपा का प्रभाव हमेशा से ही बिलासपुर संभाग में रहा है। प्रदेश में कई ऐसी सीटें है जहां बसपा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध कहते हैं कि बसपा का आधार दलित है। पिछले दो चुनावों से उसकी कोशिश उस दलित वोट में आदिवासी वोटों को जोड़ने की है। 2018 के चुनावों में उसने अजीत जोगी की पार्टी से एलायंस किया। उसे दो सीटें मिलीं और कई सीटों पर उसके वोटों में भी इजाफा हुआ। इस बार उसने राजनीतिक पार्टनर बदल दिया है। आदिवासी वोटों में पैठ का दावा करने वाली गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ उसका गठबंधन है। अभी तक का जो माहौल राज्य में बन रहा है उसमें इस गठबंधन का प्रभाव सीमित सीटों पर दिख रहा है। हो सकता है कि कई सीटों पर वह मुख्य पार्टियों का नुकसान करे जिसमें कांग्रेस के नुकसान की संभावना ज्यादा है, लेकिन यह कहना मुश्किल होगा कि इस गठबंधन की सीटें इतनी आएंगी कि वह बीजेपी या कांग्रेस को असहज करे। दिवाकर मुक्तिबोध इसकी वजह स्थानीय नेतृत्व का ना होना बताते हैं। राज्य में बसपा ऐसा कोई नेता विकसित नहीं कर पाई जो कुछ सीटों पर अपने प्रभाव को लगातार बनाकर रख पाया हो। जिन सीटों पर दलितों की संख्या कम है उन सीटों पर बसपा का कोई प्रभाव नहीं है। इसी तरह शहरी सीटों में भी बसपा का प्रभाव नहीं है। हीरा सिंह मरकाम के निधन के बाद यही हाल गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का है।

आम आदमी पार्टी की नहीं दिखा पा रही असर

आम आदमी पार्टी दूसरी बार छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में ताल ठोंक रही है। आम आदमी पार्टी बीते दस बरस में राज्य में सक्रिय रही है। अरविंद केजरीवाल ने यहां पर एक राष्ट्रीय अधिवेशन भी किया। दस प्वाइंट का घोषणा पत्र भी जारी किया। अब जब चुनाव अपने पीक पर हैं तो वह आम आदमी पार्टी किस तरह से चुनावों को लड़ रही है इस सवाल पर दिवाकर मुक्तिबोध कहते हैं कि अभी तक के ट्रेंड को देखकर लग रहा है आम आदमी पार्टी किसी भी सीट को अपने पक्ष में त्रिकोणीय बनाने में सफल नहीं दिख रही है। अपवाद को छोड़ दें तो वह चुनाव के समीकरणों से वह करीब-करीब बाहर है। विशेषज्ञ कहते हैं कि आम आदमी पार्टी सिर्फ वोट काटने की हैसियत में दिख रही है। वह कांग्रेस और बीजेपी दोनों के वोट काट सकती है लेकिन वह इन दोनों पार्टियों का कोई बड़ा नुकसान करेगी ऐसा नहीं कह सकते। छत्तीसगढ़ की चुनावी राजनीति को समझने वाले राजनीतिक टीकाकार मानते हैं कि आम आदमी पार्टी ने चुनावों से ठीक पहले ही अपने रपतार सुस्त कर दी है। यह उनका राजनीतिक गेम प्लान भी हो सकता है। चुनाव प्रचार के दौरान भी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेता बहुत सक्रिय नहीं हैं। केजरीवाल भी अभी तक सिर्फ एक बार ही चुनाव प्रचार के लिए आए हैं।

वोट बैंक बढ़ाने की भी कोशिश

2018 के चुनाव परिणाम को देखा जाए तो कांग्रेस का वोट शेयर 43 प्रतिशत था और बीजेपी का 32 प्रतिशत। बीजेपी और कांग्रेस के वोट में दस प्रतिशत का अंतर था। लेकिन मत प्रतिशत का यह अंतर सीटों में प्रतिबिंबित नहीं हुआ। कांग्रेस 68 सीटों पर चुनाव जीती और बीजेपी 15 सीटों पर अटक गई थी। उधर जोगी कांग्रेस,बसपा, सीपीआई के गठबंधन को 11 प्रतिशत वोट मिले थे। बाकी अन्य छोटे-छोटे दलों का वोट प्रतिशत भी जोड़ लिया जाए तो यह करीब 14 प्रतिशत पहुंचता है। इसमें यदि निर्दलीय वोटों को भी जोड़ लें तो यह 23 प्रतिशत होता है। राजनीतिक टीकाकार मानते हैं कि इस बार इस वोट प्रतिशत में कुछ इजाफा हो सकता है। भले ही यह पार्टियां इसे सीट में कन्वर्ट ना कर सकें लेकिन इस चुनाव में उनका मत प्रतिशत बढ़ा हुआ नजर आ सकता है।

जोगी के समय से प्रभावित कर रहीं छोटी पार्टियां

अजीत जोगी ने जब 2016 में कांग्रेस से अलग होकर नई पार्टी बनाई थी तब इस बात के कयास तेजी से लगने शुरू हुए थे कि क्या इस बार छत्तीसगढ़ में त्रिशंकु के हालात होंगे। 2018 के चुनावों में पहली बार ऐसा लगा था कि राज्य में बीजेपी या कांग्रेस स्पष्ट बहुमत नहीं ला पाएंगी। खुद अजीत जोगी अपनी सभाओं में इस बात का बारम्बार दावा करते थे कि बिना उनके राज्य में किसी की सरकार नहीं बनेगी। अजीत जोगी की पार्टी ने बसपा के साथ समझौता किया। चुनाव में उनकी पार्टी को पांच और बसपा को दो सीटें मिलीं। यह सात सीटें महत्वपूर्ण हो सकती थीं लेकिन कांग्रेस को मिले प्रचंड बहुमत के बाद यह सात सीटें औचित्यहीन हो गईं। अब छत्तीसगढ़ फिर से चुनावों के समर में हैं। बस्तर संभाग की बीस सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। बची 70 सीटों पर 17 नवंबर को वोट पड़ने हैं। इस बार अजीत जोगी नहीं हैं। उनके पुरानी राजनीतिक पार्टनर बसपा का गठबंधन किसी और दल के साथ है। अमित जोगी राज्य की कुछ सीटों को छोड़कर करीब-करीब सभी पर ताल ठोंक रहे हैं। आम आदमी पार्टी दूसरी बार राज्य में चुनाव लड़ रही है। जाति और समाज की राजनीति करने वाले कुछ नए-पुराने खिलाड़ी नए दावों के साथ चुनावी समर में हैं। आइए समझते हैं कि क्या ये पार्टियां बीजेपी और कांग्रेस की पारंपरिक सत्ता को चुनाती देते हुए इतनी सीटें बटोर सकती हैं कि यह दोनों राष्ट्रीय दल चुनाव के बाद इनके समर्थन के मोहताज हो जाएं। क्या राज्य में किसी भी तरह के त्रिशंकु के हालात बन सकते हैं?

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विधेयकों को अनावश्यक रोकना राज्यपालों का अनुचित कृत्य

“ सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से यह भी सवाल किया कि उसने अपनी विधानसभा के बजट सत्र को स्थगित क्यों नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि आप आग से खेल रहे हैं।

राज्यपालों द्वारा राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को जल्द पारित न करवाने पर शीर्ष अदालत नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट इस तरह के कृत्य करने पर गर्वनरों को निर्देश देत हुए कहा कि इस तरह जरूरी काननों को मंजूरी न देके राज्यपाल संविधा का मखौल उड़ा रहे है । इसलिए ऐसा करना ठीक नहीं है। राज्यपालों को तुरंत इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि पंजाब में जो हो रहा है उससे हम खुश नहीं हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से यह भी सवाल किया कि उसने अपनी विधानसभा के बजट सत्र को स्थगित क्यों नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि आप आग से खेल रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर राज्यपाल के खिलाफ पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह देखते हुए कि भारत स्थापित परंपराओं और परंपराओं पर चल रहा है, पीठ ने कहा कि वे पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच गतिरोध से नाखुश हैं। यह देखते हुए कि लोकतंत्र को मुख्यमंत्री के साथ-साथ राज्यपाल के हाथों में भी काम करना होता है। पीठ ने कहा कि वह विधेयकों को मंजूरी देने की राज्यपाल की शक्ति के मामले पर कानून तय करने के लिए एक संक्षिप्त आदेश पारित करेगी। शीर्ष अदालत की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की इसी तरह की याचिका पर भी सुनवाई की। सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि बीमारी (राज्य सरकार बनाम राज्यपाल विवाद) पंजाब से तमिलनाडु तक फैल रही है और इसे समाधान की जरूरत है। 6 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने विधेयकों को पारित करने में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि राज्यपालों को संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर मामला पहुंचने से पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राज्यपालों को संबंधित राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर मामला पहुंचने से पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने विधेयकों को मंजूरी देने में राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित की देरी के खिलाफ पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए अपनी चिंता व्यक्त की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आम चुनाव की दिशा प्रभावित करेंगे नतीजे!

केएस तोमर

इस बात में शायद ही कोई संशय हो कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में जीत के लिए पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे पर निर्भर हो गये हैं। इसका ज्वलन्त उदाहरण प्रधानमंत्री द्वारा मध्य प्रदेश के मतदाताओं के नाम जारी अपील है। वहीं भाजपा हाईकमान द्वारा मौजूदा मुख्यमंत्री और अन्य दावेदारों को नजरअंदाज कर किसी को भी आगामी मुख्यमंत्री के रूप में पेश न करने से लगता है कि शिवराज सिंह को पूरी तरह पीछे कर दिया गया है। वहीं इन राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों का साल 2024 के लोकसभा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा, इसको लेकर अलग-अलग राय है। एक पक्ष का मानना है कि इनमें हार-जीत का लोकसभा चुनाव के नतीजे पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि प्रांतीय और देश के चुनावों में मतदाताओं की सोच अलग-अलग होती है।

पिछले बार हिन्दी क्षेत्र के राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव हारने के बावजूद 2019 में भाजपा ने लोकसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज की थी और मध्यप्रदेश की 29 में से 28, राजस्थान की 25 में से 24 और छत्तीसगढ़ की 11 में से 9 सीटें जीती थीं। अब यदि ये विधानसभा चुनाव भाजपा जीतती है तो लोकसभा चुनावों पर दोहरा असर होगा जिसके परिणामस्वरूप मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना तय होगा। इस समय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता उच्च स्तर पर है और देश में मतदाताओं में भी पकड़ मजबूत है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भाजपा को हिन्दुत्व एजेंडे का बहुत सहारा मिलेगा। चुनावों से पहले अयोध्या में राम मंदिर का जनवरी में निर्माण पूरा होने का लाभ भी पार्टी को मिलेगा। इसके अलावा भाजपा के पास साधनों की कमी नहीं, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भी पूरी तरह सक्रिय होगा। भाजपा मतदाताओं को यह समझाने का प्रयास करेगी कि एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व काम किया है जिसे आगे भी जारी रखना जरूरी है क्योंकि इसी नेतृत्व के तहत धारा 370 को हटाना और महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण बिल पास करना संभव हो सका।

इसके विपरीत पक्ष के लोग यानी भाजपा के आलोचक मानते हैं कि यदि पार्टी विधानसभा चुनाव हारी तो इसका प्रतिकूल असर लोकसभा चुनावों पर भी पड़ेगा। उनका कहना है कि इस समय कई ऐसे कारण हैं जो भाजपा

का गणित बिगाड़ सकते हैं। पहला यह कि अब कोई प्रकरण होने की संभावना नहीं है जिससे देश में राष्ट्रवाद की लहर बने। दूसरे, 2019 में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों की साख निरंतर गिर रही थी और देश के सामने कोई विकल्प भी नहीं था। वहीं अब मोदी का करिश्मा इतना सशक्त नहीं कि वह भाजपा के 9 वर्ष के शासन के प्रति निराशा को पूरी तरह नकार सके। चौथी बात, महंगाई से परेशान आम आदमी में निराशा है। यह भी कि रोजगार संबंधी वादों को पूरा न करने के कारण युवा वर्ग नाराज है। वहीं दक्षिणी राज्यों में भाजपा के विजय रथ को कांग्रेस ने कर्नाटक में जीत दर्ज कर रोका तो अन्नाद्रमुक ने भाजपा से गठबंधन तोड़ पार्टी को बड़ा झटका दिया है। यदि भाजपा और इसकी सहयोगी पार्टियां दक्षिण से सम्मानजनक सीटें नहीं जीतीं तो पार्टी का 2024 में सत्ता में लौटना मुश्किल होगा। देश के लगभग सभी प्रमुख विपक्षी दल इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं। यदि इस गठबंधन के घटक सीटों पर समझौता करने में सफल रहे तो भाजपा की राह आसान नहीं होगी। मध्य प्रदेश की बात करें तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर रणनीति के चलते भाजपा हाईकमान ने नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल आदि सांसदों के नाम पहली सूची में ही शामिल किये थे। पार्टी की सोच है कि केंद्रीय मंत्रियों का अपने क्षेत्रों में अच्छा प्रभाव है। लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि केंद्रीय मंत्री और सांसद विधानसभा चुनावों की जमीनी हकीकत से वाकिफ नहीं होते जो मध्य प्रदेश में घाटे का सौदा बन सकता है। हालांकि भाजपा ने शिवराज चौहान को मैदान में उतारा है।

नयी रणनीति के अनुसार इस बार भाजपा ने विधानसभा चुनावों में जीत के लिए 4 केंद्रीय मंत्रियों सहित 24 सांसदों को मैदान में उतारा है ताकि 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए सही माहौल बनाया जा सके। बात पुराने के स्थान पर नए चेहरे भी उतारने की हो तो यह प्रयोग उत्तराखंड, गोवा में तो सफल रहा लेकिन हिमाचल और कर्नाटक में असफल रहा। वहीं हिमाचल और कर्नाटक में प्रधानमंत्री द्वारा धुआंधार प्रचार और हिन्दुत्व के सहारे के बावजूद भाजपा को शिकस्त मिली थी। इसके अलावा यदि तेलंगाना में बीआरएस भी कांग्रेस के विजय रथ को नहीं रोक पाती तो इसका असर 2024 के लोकसभा चुनावों पर पड़ेगा।

भूटान पर चीनी कुदृष्टि को समझे भारत

अभिजीत भट्टाचार्य

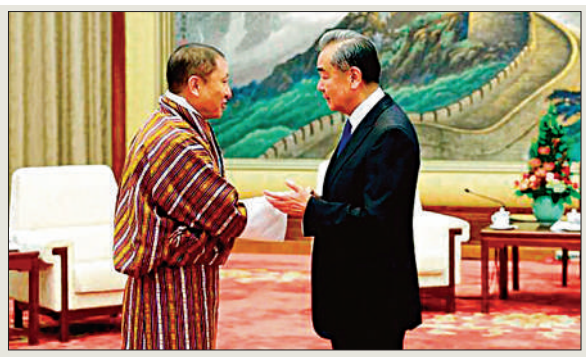

नमकू चो घाटी में ढोला चौकी पर चीनी हमले में मिली शिकस्त और अक्टूबर, 1962 में चीनी तानाशाह माओ ज़दिोंग द्वारा भारत को नीचा दिखाना याद है? ढोला क्षेत्र एक तरह से भारत, भूटान और चीन के कब्जे वाले तिब्बत का त्रि-संगम स्थल है। चीनी सेना द्वारा डोकलाम में किया अतिक्रमण याद है? डोकलाम भी भूटान-भारत-तिब्बत का एक त्रि-संगम है। फिर जून, 2020 में गलवान घाटी में, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के जन्मदिन के रोज, चीनी सैनिकों द्वारा 20 भारतीयों को शहीद करने वाला कुकृत्य याद है? पिछले संदर्भ में देखें तो, क्या भारत को मई, 1967 में नक्सलबाड़ी (पश्चिम बंगाल) में हुई पहली गोलीबारी याद है, जिसमें कई सिपाही मारे गए थे और यह भारत में चीनी मूल के 'जन-स्वतंत्रता युद्ध' की शुरुआत थी। चीन की साम्यवादी पार्टी और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वय द्वारा बनाई और महारत से क्रियान्वित की गई यह लड़ाई, जिसके पैदल सिपाही स्थानीय कारकुन थे, 20 लंबे सालों तक अराजकता पैदा करने के बावजूद ज्यादा परिणाम नहीं दे पाई, परंतु इसमें लगभग 50000 जानों की हानि और सीमांत बंगाल सूबे के सभी प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक पहलू बर्बाद होने के अलावा क्या मिला?

भारतीय मीडिया के केवल एक हिस्से ने पिछले महीने भूटान-चीन के बीच हुई वार्ता पर खबरें कीं। पिछले सप्ताह भूटान नरेश की भारत यात्रा शुरू होने से पहले, हांगकांग की 'साऊथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' अखबार ने चीन की ओर भूटान के चिंताजनक झुकाव को लेकर चेताया है। यहां तक कि लेख में भारत को छिपी चेतावनी दी गई है कि भूटान का यह कूटनीतिक कदम क्षेत्रीय राजनयिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। अखबार का यह आकलन एकदम सही है। तेजी से बदली दृश्यावली ने भारतीय प्रतिष्ठानों में खतरे की घंटी बजा डाली। वह निष्ठुर एवं खून के प्यासे ड्रैगन के खून के पंजों की पकड़ भूटान पर बनते देख अंदर तक हिल गया है, यह मंजर 1950 में आजाद तिब्बत पर चीनी कब्जे से पहली बने हालात की याद दिलाता है। 73 साल गुजर गए लेकिन लोगबाग अभी भी तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चीन की शैतानी चालों को सफल होने देने और भारत की मुसीबतों के लिए मुख्य खलनायक मानते हैं। भारत ने अपना इलाका गंवाया है और आज भी गंवा रहा है। इस तरह अपनी संप्रभुता पर चोट पहुंचाने वाले हमलों का सामना कर रहा है।

इस चिंतनीय खबर के बावजूद चीन-भूटान के बीच बनती घनिष्ठता पर भारत के विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया नपी-तुली रही और 'तथ्यात्मक' बयान आया 'भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के अनूठे रिश्ते हैं, जो आपसी समझ और विश्वास पर टिके हैं।' माना यह सही है, लेकिन आज के दिन वह समय-सिद्ध भारत-भूटान मित्रता और आपसी समझ एवं सहयोग पर टिके उस परस्पर विश्वास पर चीनी चालों से गंभीर खतरा आसन्न है। कदाचित यह स्थिति सदा के लिए बदल जाए। शी जिनपिंग बाजिद हैं कि भूटान की विदेश-नीति निर्धारण में भारत की भूमिका को दरकिनार करके, चीन उसका उसका राजनयिक-दिशानिर्देशक बन जाए। सामान्य वक्त में, किसी को इस पर आपत्ति न होती। लेकिन भारत-चीन के बीच राजनीतिक-कूटनीति द्विपक्षीय संबंधों ने कभी भी सामान्य वक्त नहीं देखा, क्योंकि, चीन की प्रवृत्ति धोखा देने, ठगने, झूठ घड़ने और आक्रामक होने की रही है। भारत और अपने अन्य संप्रभु पड़ोसियों के थलीय-जलीय इलाके में अपना विस्तार करने, बलात हथियाने या कब्जा करने की चीनी कोशिशें, उसकी मंशा का सुबूत हैं, जिसको पूरी दुनिया जानती और मानती है। चीन और भूटान के बीच सीधा संपर्क बनने से पैदा होने वाले खतरे को, सभ्य देशों की आचार संहिता के संबंध में एक कपोल-कल्पना न समझा जाए। इसके पीछे छिपी है असामान्य भू-राजनीतिक और कब्जाने एवं दबाने की भू-आर्थिकी चाल यह उस नीति का अंग है, जो जिनपिंग ने निरोल रूप से भारत के लिए अपना रखी है। भूटान-चीन के बीच सीधा संपर्क यानी भारत के वजूद के लिए खतरा और बहुत बड़ा भूभाग गंवाने की आशंका।

अपनी बीजिंग यात्रा में भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरज़ी ने चीनी उप-राष्ट्रपति हान झेंग और विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात के बाद चीन से सीमा विवाद पर 'बड़ी प्राप्ति' हासिल की है। उन्होंने चीन के साथ मिलकर काम करने की भूटान की इच्छा दर्शायी है। चीन ने भी भूटान में अपना दूतावास खोलने की पुरानी इच्छा दोहराई है। भारत को अवश्य ही इस कदम का पुरजोर विरोध करना चाहिए। भारत के वजूद के चलते चीन भूटान में अपनी उपस्थिति महसूस नहीं करवा सकता। बतौर नीतिगत मामला, भूटान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्यों के साथ (चीन सहित) दूतावास स्तर के राजनयिक संबंध नहीं हैं। इसलिए भूटान द्वारा चीन को राजनयिक पहुंच प्रदान करने से अन्य चार देशों के लिए भी दरवाजा खुल जाएगा। संप्रभु भूटान को याद रखना होगा कि हिमालय के पर्यावरणीय रूप से नाजुक क्षेत्र में स्थित होने की वजह से वह विदेशियों की बाढ़ के लिए द्वार खोलना गवारा नहीं कर सकता। चीन के प्रवेश के बाद अन्य देशों की आमद होने पर 'स्वर्ग का पुत्र' (शी जिनपिंग) भूटान को नर्क बनाने पर तुल जाएगा। भूटान का भविष्य भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ बनाए रखने में है, जिसकी मंशा न तो अपने पड़ोसियों को बंधुआ बनाने की है न ही उन्हें कर्ज के पहाड़ तले दबाने या जबरदस्ती उनकी जमीन हड़पने की या नस्लकुशी करने की।

धूल-मिट्टी से हो रही है एलर्जी तो करें ये उपाय

नवंबर की शुरुआत के साथ ही मौसम में बदलाव भी होने लगा है। हल्की ठंड के साथ एक तरफ जहां सर्दियों ने दस्तक दे दी है, तो वहीं दूसरी तरफ प्रदूषण का स्तर भी लगातार बढ़ता जा रहा है। हर मौसम अपने साथ कई तरह की समस्याएं और एलर्जी लेकर आता है। खासकर सर्दियों में मौसम में अक्सर लोग धूल की वजह से होने वाली एलर्जी से परेशान रहते हैं,जो लगातार छींक और खांसी की वजह बन जाती है। ऐसे में आप कुछ आयुर्वेदिक उपायों की मदद से खुद को डस्ट एलर्जी से बचा सकते हैं।

गाय का घी

अगर आप अक्सर डस्ट एलर्जी से परेशान रहते हैं, तो गाय का घी इसमें आपकी काफी मदद करता है। रोज सुबह शुद्ध गाय के घी की दो बूंदें अपनी नाक में डालने से एलर्जी और धूल के कण के बचाव के लिए एक सुरक्षात्मक परत बन जाती है। यह धूल के कणों को खांसी, छींकने और नाक बहने जैसे लक्षणों को ट्रिगर करने से रोकता है। गाय के घी में विटामिन के, ई, डी और विटामिन k2 मौजूद होता है और हड्डियों के लिए विटामिन और कैल्शियम काफी अच्छा रहता है। गाय के घी के सेवन करने से ना केवल हड्डियां मजबूत होती है, बल्कि जोड़ों के दर्द से भी छुटकारा मिलता है। गाय का घी खाने में उपयोग करने से सभी प्रकार की हड्डियों की तकलीफें दूर होती है परंतु ध्यान रहे कि गाय के घी का सेवन केवल नियमित मात्रा में ही करें। गाय के घी से मिलने वाली विटामिन शरीर के लिए काफी गुणकारी होती है। गाय के घी प्रतिदिन खाने में उपयोग करने से माइग्रेन, कानों की समस्या, सर दर्द, स्मृति और एकाग्रता की कमी से आराम मिलता है। गाय के घी का इतना महत्व है, की कुश्ती करने वाले या फिर कसरत करने वाले व्यक्ति अपनी उर्जा को बढ़ाने के लिए प्रतिदिन अपने खाने में गाय के घी का सेवन करते है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी यूं तो कई तरह से सेहत को फायदा पहुंचाती है, लेकिन आमतौर पर लोग इसे वजन घटाने के लिए इस्तेमाल करते है। हालांक, वेट लॉस के अलावा एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ग्रीन टी एलर्जी के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकती है। खासकर धूल और गंदगी के कारण होने वाली एलर्जी से बचाव में यह काफी मददगार है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी अपने औषधीय गुणों की वजह से कई समस्याओं का रामबाण इलाज मानी जाती है। खासतौर पर हल्दी वाला दूध कई समस्याओं का अचूक इलाज माना जाता है। अगर आप अक्सर डस्ट एलर्जी का शिकार होते रहते हैं, तो हल्दी वाला दूध जरूर पिएं। इसके लिए एक कप दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर गर्म करें और फिर इसमें शहद मिलाकर इसे सोने से पहले पी लें। यह न सिर्फ आपकी एलर्जी दूर करेगा, बल्कि आपकी इम्युनिटी भी मजबूत करेगा। हल्दी एक प्राकृतिक डिकॉन्गेस्टेंट के रूप में कार्य करती है और हिस्टामाइन के रिलीज को कम करती है, जो एलर्जी के लिए जिम्मेदार है। वैज्ञानिक तौर पर यह साबित हो चुका है कि हल्दी के कई फायदे हैं। प्राकृतिक मसाले हमारे शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए जाने जाते हैं। दूध के साथ सेवन करने पर हल्दी कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह, कैंसर आदि की संभावनाओं को कम करने से लेकर कई जादुई गुण दिखाती है।

पुदीने की चाय

डस्ट एलर्जी से राहत पाने के लिए आप पुदीने की चाय की पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक कप गर्म पानी में एक चम्मच पुदीने की सूखी पत्तियां और शहद मिलाकर चाय बना लें। पुदीना के एंटी-इंफ्लेमेटरी और डिकॉन्गेस्टेंट गुणों के कारण, धूल से होने वाली एलर्जी के लक्षणों जैसे कंजेशन, छींक, खांसी और बहती नाक आदि से राहत मिलती है। समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पेपरमिंट टी अच्छी मानी जाती है। पुदीने की चाय में मेन्थॉल पाया जाता है, जो मस्तिष्क को स्वस्थ रखने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

शहद

आयुर्वेद में शहद का अपना काफी महत्व है। अपने गुणों की वजह से यह कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। डस्ट एलर्जी से राहत पाने के लिए आप शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजाना दो चम्मच शहद का सेवन एलर्जी वाले खतरनाक कारकों के खिलाफ एक ढाल की तरह काम करते हैं। इसके औषधीय गुण अनगिनत बीमारियों के इलाज में उपयोगी मानी जाती है। यही कारण है कि प्राचीन काल से ही शहद को औषधि माना गया है। आज के समय में मुख्य रुप से लोग त्वचा में निखार लाने, पाचन ठीक रखने, इम्युनिटी पॉवर बढ़ाने, वजन कम करने आदि के लिए शहद का उपयोग करते हैं। शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जिसकी वजह से घाव भरने या चोट से जल्दी आराम दिलाने में भी कारगर है।

हंसना मना है

मालकीन रो रही थी, तभी जाकर नौकरानी ने पुछा, नौकरानी- क्या हुआ मालकीन? मालकीन- मुझे शक है की तेरे मालिक का ऑफिस मे किसी दूसरे लड़की के साथ चक्कर है। नौकरानी: नही मालकीन, ऐसा मत सोचिए, मालिक मुझे धोका नही दे सकते!

लड़का- कल से हम कही और मिलंगे लड़की - क्यूं? लड़का - बड़े कमीने है तेरी गली के बच्चे, लड़की - क्या हुआ? लड़का - कुत्ते पीछे लगाकर कहते है, जब प्यार किया तो डरना क्या!

एक मक्खी गंजे के सर पर बैठी थी, दुसरी ने कहा वाह.! क्या घर मिला है तुझे। पहली मक्खी : नहीं रे, अभी तो सिर्फ प्लॉट खरीदा है..!

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर मे. अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

पूरी शराब की बोतल ही गटक ली आज उसने। बीवी ने तो सिर्फ इतना ही कहा था के आज 'पीके' दिखा दो।

एक आदमी राम मंदिर गया और रोने लगा, हे राम मेरी बिवी खो गयी, राम जी बोले, बाजूवाले हनुमान मंदिर में जाके बोल, मेरी भी उसी ने खोजी थी।

कहानी | शत्रु को मित्र कैसे बनाएं?

एक राजा ने एक सपना देखा। सपने में उससे एक परोपकारी साधु कह रहा था कि, बेटा! कल रात को तुम्हें एक विषैला सांप काटेगा और उसके काटने से तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। वह सर्प अमुक पेड़ की जड़ में रहता है। वह तुसम पूर्व जन्म की शत्रुता का बदला लेना चाहता है। सुबह राजा ने की बात अपनी आत्मरक्षा के लिए क्या उपाय करना चाहिए? इसे लेकर विचार करने लगा। सोचते- सोचते राजा इस निर्णय पर पहुंचा कि मधुर व्यवहार से बढ़कर शत्रु को जीतने वाला और कोई हथियार इस पृथ्वी पर नहीं है। उसने सर्प के साथ मधुर व्यवहार करके उसका मन बदल देने का निश्चय किया। शाम होते ही राजा ने उस पेड़ की जड़ से लेकर अपनी शय्या तक फूलों का बिछौना बिछवा दिया, सुगन्धित जलों का छिड़काव करवाया, मीठे दूध के कटोरे जगह जगह रखवा दिये और सेवकों से कह दिया कि रात को जब सर्प निकले तो कोई उसे किसी प्रकार कष्ट पहुंचाने की कोशिश न करें। रात को सांप अपनी बांबी में से बाहर निकला और राजा के महल की तरफ चल दिया। वह जैसे आगे बढ़ता गया, अपने लिए की गई स्वागत व्यवस्था को देखकर आनन्दित होता गया। कोमल बिछौने पर लेटता हुआ मनभावनी सुगन्ध का रसास्वादन करता हुआ, जगह-जगह पर मीठा दूध पीता हुआ आगे बढ़ता था। इस तरह क्रोध के स्थान पर सन्तोष और प्रसन्नता के भाव उसमें बढ़ने लगे। जैसे-जैसे वह आगे चलता गया, वैसे ही वैसे उसका क्रोध कम होता गया। राजमहल में जब वह प्रवेश करने लगा तो देखा कि प्रहरी और द्वारपाल सशस्त्र खड़े हैं, परन्तु उसे जरा भी हानि पहुंचाने की चेष्टा नहीं करते। यह असाधारण सी लगने वाले दृश्य देखकर सांप के मन में स्नेह उमड़ आया। सद्व्यवहार, नम्रता, मधुरता के जादू ने उसे मंत्रमुग्ध कर लिया था। कहां वह राजा को काटने चला था, परन्तु अब उसके लिए अपना कार्य असंभव हो गया। हानि पहुंचाने के लिए आने वाले शत्रु के साथ जिसका ऐसा मधुर व्यवहार है, उस धर्मात्मा राजा को काटूं तो किस प्रकार काटूं? यह प्रश्न के चलते वह दुविधा में पढ़ गया। राजा के पलंग तक जाने तक सांप का निश्चय पूरी तरह से बदल दिया। सांप राजा के शयन कक्ष में पहुंचा। राजा से कहा, मैं तुम्हें काटकर अपने पूर्व जन्म का बदला चुकाने आया था, परन्तु तुम्हारे सौजन्य और सद्व्यवहार ने मुझे परास्त कर दिया। अब मैं तुम्हारा शत्रु नहीं मित्र हूं। मित्रता के उपहार स्वरूप अपनी बहुमूल्य मणि मैं तुम्हें दे रहा हूं। लो इसे अपने पास रखो। इतना कहकर और मणि राजा के सामने रखकर सांप चला गया।

शिक्षा- यदि एक व्यक्ति का व्यवहार कुशल है तो वो सब कुछ पा सकता है जो पाने की वो हार्दिक इच्छा रखता है।

7 अंतर खोजें

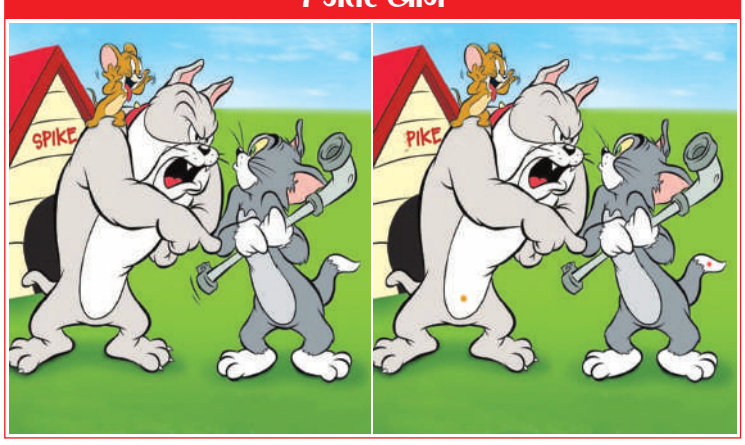

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते है, उनसे सतर्क रहें। व्यापारियों के लिए आज का दिन लाभ कमाने वाला रहेगा। पुराने किसी नुकसान की भरपाई हो सकती है।

वृषभ

आज का दिन आपका परोपकार के कार्य में व्यतीत होगा। आज आपका धार्मिक आयोजनों में भी मन लगेगा और आप उसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

मिथुन

आज आप पूरे दिन नई ऊर्जा से भरे रहेंगे। इस राशि के टीचरों के लिए दिन खास रहने वाला है। आज कार्यों में सफलता प्राप्त होंगी। बिजनेस में सब कुछ अच्छा बना रहेगा।

कर्क

आज परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। हर क्षेत्र में आशानुरूप सफलता प्राप्त होगी। कुछ लोग आपसे अपना काम निकलवाने की कोशिश कर सकते हैं, सावधान रहें।

सिंह

आज का दिन आपके लिए काफी व्यस्तता भरा रहेगा। आज आप संतान की पढ़ाई से संबंधित कार्यों में व्यस्त रहेंगे। विद्यार्थियों का पढ़ाई लिखाई में मन लगेगा।

कन्या

आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता के साथ संबंध बेहतर होंगे। उनके साथ भगवान के दर्शन के लिए मंदिर जायेंगे।

तुला

नए संपर्कों का लाभ मिलेगा। विवाद को सुलझाने में आपको कोशिश करनी पड़ सकती है। आय की स्थिति बेहतर बनेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय होगा।

वृश्चिक

आज का दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहेगा। आज आपके सामने कई लाभ के अवसर आएंगे, लेकिन आपको उन्हें पहचानना होगा, तभी आप उनसे लाभ ले पाएंगे।

धनु

आज अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मकर

घरेलू ज़िम्मेदारी और रुपये-पैसे को लेकर वाद-विवाद के चलते आपके वैवाहिक जीवन में खटास पैदा हो सकती है। अगर काम में एकाग्रता बनाने की कोशिश नहीं करेंगे।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा। यदि आज आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो उसमें अपनी सेहत के प्रति सचेत रहें और खानपान में सावधानी बरतें।

मीन

आज आपका मन उत्साहित रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं। घर में खुशी का माहौल रहेगा। संतान पक्ष से आज आपको खुशी मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

भावुक हुई सामंथा, फोटो पोस्ट कर लिखी ये बात

'पसंदीदा स्टार होना एक अविश्वसनीय उपहार'

सामंथा रुथ प्रभु एक जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। वह अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन में आए तमाम तरह के उतार-चढ़ाव का एक्सपीरयंस शेयर किया है। सामंथा रुथ प्रभु ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा जब मैं एक फेल्ड मैरिज के सबसे निचले स्तर पर पहुंची और उस समय मेरा स्वास्थ्य और काम प्रभावित हो रहा था, तो यह मेरे लिए एक तिहरी मार की तरह था। उस दौरान, मैंने उन अभिनेताओं के बारे में पढ़ा जो स्वास्थ्य समस्याओं से गुजरे और वापसी की या फिर ट्रोलिंग और चिंता का सामना किया। उनकी कहानियां पढ़ने से मुझे काफी मदद मिली या ये कहें कि मेरा हौंसला बढ़ा। इससे मुझे यह जानने की ताकत मिली कि अगर उन्होंने ऐसा किया, तो मैं भी कर सकती हूं। इसके आगे एक्ट्रेस ने लिखा यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि इस देश में एक पसंदीदा स्टार होना एक अविश्वसनीय उपहार है। इसलिए इसके लिए जिम्मेदार बनें, ईमानदार और वास्तविक बनें और अपनी कहानी बताएं। यह हमेशा इस बारे में नहीं होता है कि किसी के पास कितने सुपर हिट और ब्लॉकबस्टर हैं, कितने अवॉर्ड जीते गए हैं, परफेक्ट बॉडी है या सबसे खूबसूरत ड्रेस हैं। यह दर्द है, कठिनाइयां हैं, परेशानियां हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने आगे लिखा मुझे इसकी परवाह नहीं है कि मेरी कमियां इतनी सार्वजनिक हो गई हैं, मैं वास्तव में उनसे काफी सशक्त हूं। मैं जानती हूं कि मेरे पास जो कुछ भी है मैं उससे लड़ने जा रही हूं और मुझे उम्मीद है कि जो लोग समान स्थिति में हैं, उनके पास भी लड़ते रहने की ताकत होगी। एक्ट्रेस ने साउथ की फिल्मों के साथ बॉलीवुड की फिल्मों में एंट्री की तैयारी कर ली है। सामंथा मनोज बाजपाई के साथ फेमस वेब सीरीज फॅमिली मैन में भी नजर आ चुकी हैं।

एक बार फिर गुदगुदाने आ रहे हैं तुषार कपूर और श्रेयस तलपड़े

श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर लंबे समय के बाद निर्देशक संगीत सिवन की अनटाइटल्ड हॉरर कॉमेडी में अभिनय करने के लिए साथ आए हैं। गोलमाल फ्रेंचाइजी के बाद, यह जोड़ी एक बार फिर हॉरर के साथ आपको गुदगुदाने के लिए एक साथ आ रही है। ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले जयेश पटेल द्वारा निर्मित, इसमें सोनिया राठी, सिद्धि इदनानी, जय ठक्कर, वरुण पांडे, धीरेंद्र तिवारी, दिनकर शर्मा और अभिषेक कुमार जैसे शानदार कलाकार भी शामिल हैं।

फिल्म हाल ही में फ्लोर पर गई और फरीदाबाद में शुरू हुई है। यह फिल्म दोस्तों के एक समूह पर आधारित बताई जा रही है, जो रोमांच की तलाश में मनोरंजन के लिए एक भूत से बात करने के लिए ओइजा बोर्ड का उपयोग करते हैं। लेकिन, उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि उनके घर पर एक महिला भूत का साया है। हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम कर चुके निर्देशक संगीत सिवन, जो क्या कूल हैं हम, अपना सपना मनी मनी और कई अन्य फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए, उन्होंने कहा, यह फिल्म 2007 की पुरानी यादों को दर्शाती है, जब युवा लोग एक छोटे से घर में एक साथ रहते थे और स्मार्टफोन और सोशल मीडिया से ध्यान भटकाए बिना एक-दूसरे की कंपनी का आनंद लेते थे। वे व्यक्तिगत रूप से एक-दूसरे के साथ अधिक जुड़े हुए थे, गेम खेलते थे, कहानियाँ सुनाना, और बस घूमना-फिरना होता था। जबकि हर शैली चुनौतीपूर्ण है, कॉमेडी काफी हद तक अभिनेताओं के बीच केमिस्ट्री और सौहार्द के साथ-साथ बेहतरीन लाइनों पर निर्भर करती है। दूसरी ओर, हॉरर को वांछित मूड बनाने के लिए ठोस तकनीक की आवश्यकता होती है। इन दोनों शैलियों का संयोजन मज़ेदार और चुनौतीपूर्ण है।

निर्माता ने कहा ये बात

निर्माता ने कहा, जब मैंने प्रसिद्ध निर्देशक संगीत सिवन के साथ सहयोग किया, तो इस कहानी का समर्थन करने का मेरा कारण बहुत सरल था। इसमें उच्च मनोरंजन मूल्य के साथ-साथ आज के युवाओं के बारे में एक सार्थक संदेश हैं। कहानी उन युवा व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने करियर और निजी जीवन में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जब तक कि वे गलती से एक भूत को बुला नहीं लेते। एक आकर्षक कहानी, हास्यपूर्ण क्षणों और एक समग्र मनोरंजक नाटकीय अनुभव के साथ, हम दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने की उम्मीद करते हैं!

दीवाली पार्टी में शिखर पहाड़िया संग नजर आयीं जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में बनी हुई हैं। इन दिनों एक्ट्रेस का नाम शिखर पहाड़िया के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों कई बार एक साथ देखा गया है। कुछ समय पहले जाह्नवी कपूर शिखर पहाड़िया के साथ तिरुपति तिरुमाला मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंची थी। वहीं हाल ही में इंस्टाग्राम पर शिखर ने जाह्नवी के लिए कमेंट किया जिसके बाद से उनके रिलेशनल की खबरें तेज हो गई है। जाह्नवी कपूर अपने रुमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ कुछ दिन पहले लंच डेट पर नजर आई थी। इस दौरान एक्ट्रेस रेड कलर की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लगी थी। हाल ही में दोनों दिवाली पार्टी में भी नजर आए थे। जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया दोनों साथ में NMACC इवेंट में भी एक साथ नजर आए थे। इस इवेंट शिखर न केवल जाह्नवी के साथ बल्कि पिता बोनी कपूर के साथ पोज दिया था। दोनों कई बार साथ में पार्टी करते हुए नजर आ चुके हैं।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे खतरनाक जनजाति

ये कभी नहीं पहनते कपड़े, तीर में जहर मिलाकर करते हैं हमला, खाते हैं बंदर!

हमारी धरती कई ऐसे अजूबों से भरी है जिनके बारे में जानकर हर कोई हैरान हो जाता है। इंसान हों या जानवर, सबकुछ काफी विचित्र होता है। ऐसी ही एक विचित्र जनजाति इस धरती पर मौजूद है जिसे दुनिया की सबसे खतरनाक जनजाति माना जाता है। ये जनजाति साउथ अमेरिका के इक्वाडोर में, उन इलाकों में रहती है जो अमेजन के जंगलों से घिरा है। हाल ही में एक यूट्यूबर इन लोगों के साथ 100 घंटे बिताकर लौटा है और उसने इनके बारे में ऐसी बातों का खुलासा किया है, जो किसी को भी चौंका सकती हैं।

डेविड हॉफमैन नाम के एक यूट्यूबर ने हाल ही में अपने दर्शकों को एक जनजाति से परिचित करवाया जिसे दुनिया की सबसे खतरनाक जनजाति माना जाता है। वो इसलिए क्योंकि ये लोग हत्या करने में जरा भी संकोच नहीं करते। जिस तरह ये जानवरों को मार डालते हैं, वैसे ही आपस में और बाहरी लोगों को भी जान से मार देते हैं। इस जनजाति का नाम वाओरानी है। डेविड जानते थे कि इनकी कहानी इससे कहीं ज्यादा अनोखी होगी, इस वजह से वो सीधे पहुंच गए इक्वाडोर, इन लोगों से मिलने। वाओरानी जनजाति के लोग कपड़े नहीं पहनते हैं। उन्हें प्रकृति के बारे में इतना कुछ पता है कि वो पेड़-पौधों का इस्तेमाल कर के जहर या दवाइयां तक बना लेते हैं। डेविड ने बताया कि जब वो इस ट्रिप पर गए थे तो उनकी आंखों में इंफेक्शन हो गया था, तो उन्होंने जनजाति के एक वैद्य से इसका इलाज पूछा। उन्होंने उसे आंख में ब्रेस्ट मिल्क डालने को कहा जिससे सुनकर वो हैरान रह गए।

उन्होंने बताया कि वाओरानी जनजाति के लोग एक पौधे से जहर बनाते हैं जिसे कुरारे बोलते हैं। इसे वो लोग तीर पर आगे लगाते हैं और उससे जानवरों पर चलाकर उन्हें अपंग बना देते हैं। इसके लगने से इंसान तक को लकवा मार देता है। ये डार्ट जैसी तीर को एक ब्लो गन से चलाया जाता है जो करीब 5 फीट होती है और इसे 100 मीटर दूर से चलाया जाता है। डेविड के अनुसार इस जनजाति के लोग बंदर, जंगली सुअर आदि जैसे जीवों को खाते हैं। इस जनजाति से साल 1950 तक कोई संपर्क नहीं हुआ था। पर अब धीरे-धीरे जनजाति, बाहरी दुनिया के संपर्क में आ रही है, पर इसके कुछ लोग जंगल के काफी अंदर रहते हैं और बाहरी दुनिया से बिल्कुल संपर्क नहीं रखना चाहते।

पानी के अंदर रहती है ये मकड़ी, बनाती है हवा के बड़े बुलबुले का 'घर'

'वॉटर स्पाइडर' दुनिया की सबसे अजीबोगरीब मकड़कियों में से एक है। इसे जल मकड़ी और डाइविंग बेल स्पाइडर नाम से भी जाना जाता है। यह मकड़ी की एकमात्र ऐसी प्रजाति है जो अपना पूरा जीवन पानी के भीतर बिताने के लिए जानी जाती है, जिसका साइंटिफिक नाम आर्गिरोनेटा एक्वाटिका है। अब इसी मकड़ी का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर 'जल मकड़ी' का वीडियो @gunsnrosesgirlx नाम के यूजर ने पोस्ट किया है, जिसमें आप देख सकते हैं कि कैसे यह मकड़ी पानी के नीचे रहने के लिए बड़े बुलबूले का 'घर' बनाने के लिए सतह से हवा इकट्ठा करती है। मकड़ी पानी की सतह पर अपने शरीर के बालों में हवा के बुलबुले फंसा लेती है। फिर उसे जाल तक पहुंचाती है, जो पानी के नीचे के पौधों या अन्य वस्तुओं से जुड़ा होता है। मकड़ी हवा के बुलबुले को जाल के अंदरूनी हिस्से में फेंक देती है, जिससे वह फूल जाता है। मकड़ी अधिक हवा के बुलबुले के लिए वापस पानी की सतह पर जाती है। ऐसा तब तक करती है जब तक कि वह अपनी आवश्यक ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए पर्याप्त बड़ा बुलबुला नहीं बना लेती है। ये बुलबुले एक दिन से अधिक समय तक रह सकते हैं, क्योंकि वे पानी से ऑक्सीजन अवशोषित करते हैं। जल मकड़ी द्वारा पानी के भीतर बड़ा बुलबुला बनाने के पीछे हैरान कर देने वाली वजह है। दरअसल, यह बुलबुला इस मकड़ी की लाइफलाइन होता है, क्योंकि इसके पास गिल्स नहीं होते हैं, जिनकी मदद से ये पानी की सतह पर जाकर ऑक्सीजन ले सके, इसलिए यह पानी के अंदर रहने के लिए बड़ा बुलबुला बनाती है और फिर उसके अंदर रहती है। इस बबल को बनाने के लिए यह मकड़ी तैरते हुए सतह तक जाती है और फिर अपने पिछले हिस्से को तेजी से सतह पर मारती है। इसके बाद एयरबबल इसके पेट के चारों ओर फैल जाता है, जिससे यह मकड़ी सांस ले पाती है। Australian.museum की रिपोर्ट के अनुसार, जल मकड़ी के पास आठ आंखें होती हैं। ये मकड़कियां झीलों, तालाबों, नहरों, दलदलों और धीमी गति से बहने वाली नदियों में पाई जाती हैं।

भ्रष्टाचार की राजधानी बना मध्यप्रदेश : राहुल

तोमर के लड़के का लेनदेन का वीडियो वायरल, मोदी-शाह सब चुप

» बोले- शिवराज 50 फीसद कमीशन लेते हैं

» पूरे बहुमत से बनेगी कांग्रेस की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

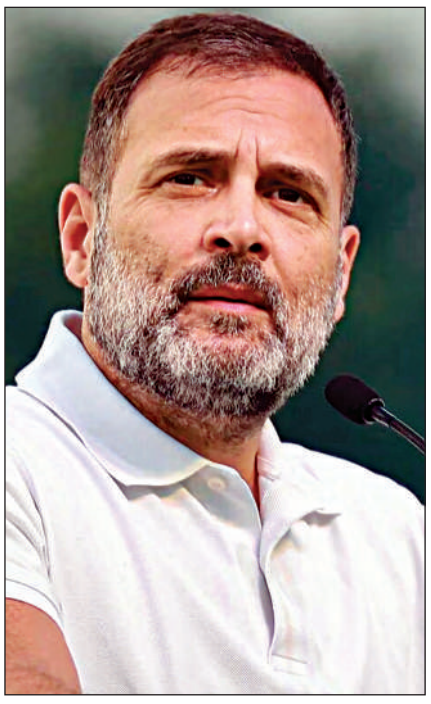

भोपाल। मध्यप्रदेश के हरदा जिले के टिमरनी और नीमच के जावद में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा पर जोरदार हमला किया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारत में मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार की राजधानी बन चुका है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बीच में रेस चल रही है कि कौन किसानों और मजदूरों से सबसे ज्यादा पैसा लूटेगा।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र सिंह तोमर के लड़के देवेंद्र तोमर का करोड़ों रुपए का लेन-देन का वीडियो सामने आया है, लेकिन क्या उनके यहां नरेंद्र मोदी की इनकम टैक्स, ईडी या सीबीआई पहुंची? उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमने मप्र में पिछली बार किसानों का कर्ज माफ किया था इस बार फिर से हम कर्ज माफ करेंगे। राहुल ने कहा कि हम ईमानदारी से और पूरे विश्वास के साथ कहना चाहते है कि हमारी सरकार आने पर हम युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए विशेष रूप से काम करने वाले हैं। हमारी सरकार जैसे ही प्रदेश में आएगी, हम जातिगत जनगणना कराएंगे। और देश में सरकार आने पर पूरे देश में जातिगत जनगणना कराअंगे। हम आपको 5 साल तक गैस सस्ती देंगे। साथ ही प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत से चुनाव जीतेगी। हमारी सरकार किसानों को दो लाख रुपये तक का कर्ज माफ करेगी। हम चाहते हैं कि कोई भी युवा मप्र में बेरोजगार ना रहे। हमारी सरकार मेड इन चीन को मेड इन मध्य प्रदेश बनाने की इच्छा रखती है।

छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ने का काम जारी

राहुल गांधी ने कहा कि जब से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार आई है तभी से छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ने का काम जारी है। रोजगार देने में छोटे व्यापारी सबसे ज्यादा आगे रहते थे। लेकिन आज इन व्यापारियों की स्थिति नरेंद्र मोदी सरकार ने खराब की है जिसका कारण नोटबंदी और जीएसटी है। भाजपा की सरकार गरीबों से पैसा लेती है और बैंकों का पूरा पैसा अपने उद्योगपति मित्रों को देती है। उन्होंने कहा कि दो तरह की सरकार होती है एक वह जो गरीबों की जेब में पैसा डालती है, दूसरी वह जो चंद उद्योगपतियों की जेब में पैसा डालती है।

20 साल में एमपी चौपट प्रदेश बन गया : कमलनाथ

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 20 साल में प्रदेश देश में चौपट प्रदेश बन गया। यह चुनाव मप्र का भविष्य तय करेगा।

कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश आज चौपट प्रदेश बन गया है, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सब चौपट है। एमपी में स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल रही शिक्षा व्यवस्था चौपट है। स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। इनके राज में एमपी में केवल भ्रष्टाचार हुआ है। नीचे से लेकर ऊपर तक भ्रष्टाचार है, बिना कमीशन के कोई काम नहीं होता है। सभा में कांग्रेसी कार्यकर्ता पदाधिकारी के साथ ही लोगों की भीड़ देखने को मिली। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि यहां आकर मुझे जवानी याद आती है मैं अभी जवान हूं। ये मत सोचिएगा कोई उम्र लग गई है। हमारी 15 महीना की सरकार रही। हमने 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया, उनकी सरकार में घोटाले और कमीशन का विकास हुआ।

जिन्होंने देश का पैसा खाया, उन्हें हमेशा ईडी, सीबीआई से डरना होगा : विजयवर्गीय

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व भाजपा उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जिन लोगों ने देश का पैसा खाया है, उन्हें हमेशा ईडी, सीबीआई से डरना पड़ेगा। भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए पिछली सरकार ने समझौते किए होंगे। मोदी सरकार किसी को नहीं छोड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद में कह चुके है कि भ्रष्टाचार कर देश को नुकसान पहुंचाने वाले को वे नहीं छोड़ेंगे। विजयवर्गीय दीपावली पर परदेशीपुरा स्थित वृद्धाआश्रम में त्योहार मनाने आए थे। कांग्रेस का द्वारा भाजपा के वचन पत्र को उनकी नकल बताए जाने पर विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को कर्ज माफ करने, युवा वर्ग को भत्ता देने की घोषणा की थी, लेकिन किया कुछ नहीं।कांग्रेस का घोषणा पत्र डस्टबीन में डालने लायक है और हमारा घोषणा पत्र कम्प्यूटर में सेव करने लायक है, ताकि प्रदेशवासी देख सके कि भाजपा किस तरह एक एक घोषणा को जमीन पर लाती है। विजयवर्गीय ने कह दूसरे प्रदेशों में कांग्रेस की सरकारों से जुड़े सवाल पर कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार महिला अपराध में नंबर वन पर है।कांग्रेस शासित कोई भी प्रदेश विकास के मामले में मध्य प्रदेश की बराबरी नहीं कर सकता है। 20 सालों में हमारी सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य से विकसित राज्य की श्रेणी में खड़ा किया है। भाजपा सरकार ने हर वर्ग को खुश रखने की कोशिश की है। कार्यक्रम में विजयवर्गीय ने युवतियों के साथ अंताक्षरी खेली। महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर ने स्वागत भाषण दिया।

गरीबों से नफरत करते हैं कुमारस्वामी : सिद्धरमैया

» कांग्रेस की गारंटी के खिलाफ बोलने पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) की राज्य इकाई के अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी पर गरीबों से नफरत करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता उनकी (कुमारस्वामी की) पार्टी के साथ-साथ उनकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भी आगामी लोकसभा चुनाव में सबक सिखाएंगे। सिद्धरमैया ने एक्स पर एक संदेश के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा, आप गरीब लोगों से नफरत क्यों करते हैं? हमारी गारंटी योजनाओं के बारे में बुरा बोलना आपकी आदत बन गई है, जो गरीब परिवारों के उत्थान के लिए समर्पित हैं। आपके निराधार आरोपों का मतलब गरीब परिवारों के उत्थान का विरोध करना है। आपको अपने विचारों पर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।''

इन गारंटी योजनाओं से करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इन योजनाओं का लाभ उठाने वालों में भाजपा और जद(एस) के मतदाता भी शामिल हैं। उन्होंने कुमारस्वामी से गांव-गांव जाकर लाभार्थियों से बात करने को भी कहा। ये गारंटी योजनाएं मुख्य रूप से राज्य के गरीब लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई हैं। इन्हें कर माफी के तौर पर अमीरों की मदद के लिए नहीं बनाया गया और न ही यह कोई ऋण माफी योजना है।

तमिलनाडु में भारी बारिश कई जिलों में अवकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के तटीय एवं अंदरूनी जिलों में भारी बारिश हुई और कई जिलों के प्राधिकारियों को लगातार हो रही वर्षा के कारण मंगलवार को विद्यालयों में अवकाश घोषित करना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों और कराईकल में 14 नवंबर को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

अगले 24 घंटे में बंगाल की खाड़ी और दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण बनने के कारण दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और 16 नवंबर के आस-पास पश्चिम मध्य खाड़ी पर एक दबाव के रूप में केंद्रित होने का अनुमान है।

वायु प्रदूषण पर दिल्ली में सियासत गरमाई

» यूपी और हरियाणा ने नहीं की सख्ती : गोपाल राय

» बोले- दिल्ली वालों ने किया सुप्रीमकोर्ट का आदर

» खुले में आग जलाने के खिलाफ अभियान शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दावा करते हुए कहा कि दिल्ली के लोगों ने अपने नागरिक कर्तव्य का पालन किया और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का आदर किया और दिल्ली में दिए जलाकर दिवाली मनाई। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा की सरकार ने पटाखों पर बैन का सख्ती से पालन किया होता, तो दिल्ली का प्रदूषण का स्तर 100 अंक नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को लेकर एक्सपर्ट और अधिकारियों के साथ चर्चा की। उनके अनुसार आने वाले दिनों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने की संभावना है। अनुमान के अनुसार हवा की गति धीमी होगी और फिर प्रदूषण के कण नीचे के स्तर पर आ जाएंगे, जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ने की संभावना है।

राय ने कहा कि मंगलवार से 14 दिसंबर तक दिल्ली में खुले में आग जलाने के खिलाफ अभियान शुरू किया जाएगा।

2 करोड़ से अधिक का जुर्माना

उन्होंने बताया कि एंटी डस्ट कैंपेन से संबंधित टीमों ने अभी तक लगभग 20 हजार निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया है। निर्माण स्थलों पर जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर 1161 स्थलों को नोटिस और चालान जारी किया है। साथ ही, 2 करोड़ 47 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

भाजपा-टीएमसी में पटाखों पर रार

भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने पोस्ट साझा कर लिखा कि आप पर गर्व है दिल्ली। यह प्रतिशोध की आवाजें हैं। यह आवाज लोकतंत्र और आजादी की है। लोगों इस अवैज्ञानिक, अतार्किक और तानाशाही योजना का विरोध कर रहे हैं। दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। इसके जवाब में टीएमसी सांसद ने सवाल उठाआ और दिल्ली पुलिस को चिट्ठी लिखी है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने दिल्ली के एक्यूआई को लेकर पोस्ट साझा की। उन्होंने पटाखों पर बैन के होने के बावजूद उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

भारत-न्यूजीलैंड का हाईवोल्टेज सेमीफाइनल कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय टीम आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। सेमीफाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड के साथ होने जा रहा है। 15 नवंबर को होने वाला यह सेमीफाइनल मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह बेहद अहम मुकाबले दोपहर 2 बजे शुरू होगा। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने लगातार नौ मैच जीते हैं और इस वर्ल्ड कप में इतिहास रचा है। अब दोनों टीम में सेमीफाइनल में आमने-सामने आने के लिए तैयार है। सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। न्यू की टीम में कई ऐसे प्लेयर्स है जो इस सेमीफाइनल मैच में भारतीय टीम के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

कीवी टीम से सर्तक होकर उतरेगी रोहित ब्रिगेड

ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों के लिए जरूरी होगा कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को जल्दी पवेलियन भेजा जाए। न्यूजीलैंड की टीम के कप्तान के इन विलियमसन इंजरी से उबर चुके हैं। केन विलियमसन न्यू की टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं जो भारतीय टीम के लिए खतरा बन सकते हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप स्टेज में खेले गए मुकाबले में की इन विलियमसन छोटे थे इस कारण वह मैच नहीं खेल पाए थे। आंकड़ों पर गौर करें तो केन विलियमसन अब तक भारत में कुल 28 वनडे खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने 43.12 की औसत से 1078 रन बनाए हैं। 28 वनडे माचो के दौरान केन के बल्ले से 9 अर्ध शतक और एक शतकीय पारी भी निकली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट से भारतीय खिलाड़ियों को सावधान रहना पड़ेगा। ट्रेंड आमतौर पर भारत के ओपनर और स्टार बल्लेबाजों को निशाना बनाते हैं। ट्रेंड ने रोहित शर्मा को चार विराट कोहली को तीन बार पवेलियन लौट आया है। ट्रेंड भारत के खिलाफ 14 वनडे मैच में 25 विकेट ले चुके हैं। वर्तमान में जारी वर्ल्ड कप में 9 माचो में उन्होंने 13 विकेट चटकाए।

अपराधियों के हौसले बुलंद: फिर समाने आई यूपी पुलिस की लापरवाही

पीएसी इंस्पेक्टर को गोलियों से भूना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में फिर पुलिस सवालों के घेरे में आ गई है। राजधानी लखनऊ में पीएसी के एक इंस्पेक्टर को गोलीमार कर हत्या कर दी गई है। वहीं बहराइच में पांच तीन दिन से लापता दो लोगों के शव मिलने पर पुलिस के कामकाज पर लोगों ने आपत्ति की हैं। सीएम योगी के अपराध मुक्त प्रदेश बनाने के दावे की हवा प्रदेश में बढ़ रहे अपराधों ने निकाल दी है। गौरतलब हो उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इंस्पेक्टर की गोलियों से भूनकर हत्या करने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, लखनऊ के कृष्णानगर के मानस विहार में घर के दरवाजे पर पीएसी में तैनात एक इंस्पेक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तफ्तीश शुरू की है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मानस विहार निवासी सतीश कुमार (52) चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज में क्वार्टर मास्टर के पद पर तैनात थे। वह अपनी पत्नी व बेटी के साथ दीवाली पर एक रिश्तेदार के घर डिनर करने गए थे। रात करीब दो बजे वह वापस लौटे। वह कार से उतरकर घर का गेट खोल ही रहे थे तभी एक बदमाश आया और उन पर फायरिंग कर दी। इंस्पेक्टर को तीन गोलियां लगीं। उनकी पत्नी व बेटी ने पुलिस को सूचना दी। डीसीपी साउथ विनीत जायसवाल ने बताया कि मामले में अज्ञात पर हत्या का केस दर्ज किया गया है। पांच टीमें गठित की गई है। सीसीटीवी फुटेज से सुराग जुटाए जा रहे हैं। जल्द वारदात का खुलासा किया जाएगा।

परिजनों ने हाईवे किया जाम, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

पत्नी ने लगाया महिला पर हत्या कराने का आरोप

इस बीच इंस्पेक्टर की पत्नी ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पत्नी भावना के मुताबिक उनके पति आशिक मिजाज के थे। जिसको लेकर घर में तनाव था। जनवरी में उन्हें 10 साल की बेटी ने घर में एक सेक्स वर्कर के साथ देख लिया था। मृतक सतीश कुमार (52) की पत्नी भावना ने बताया कि सतीश घर में भी कॉलगर्ल को बुलाते थे। जनवरी में उन्हें बेटी ने घर में एक कॉलगर्ल के साथ देख लिया था। उसके शोर मचाने में जब मैं पहुंची तो कॉलगर्ल भाग गई। वह कॉलगर्ल श्रृंगार नगर वाले मकान में अन्य साथियों के साथ रहती है। जिसके चलते उस मकान में यह ले भी नहीं जाते थे। भावना ने बताया कि उनके इस तरह कई बार करने के चलते मकान खाली कराने का हम लोग दबाव बना रहे थे। मुझे आशंका है कि वही कॉलगर्ल मकान हाथ से न निकल जाए, इसलिए पति की हत्या करा दी।

पांच दिन से लापता दो दोस्तों की मौत से बहराइच में बवाल

उत्तर प्रदेश के बहराइच स्थित जरवलरोड थाना क्षेत्र के एक ही गांव के दो युवक बीते पांच दिन से लापता थे। दोनों के परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। सोमवार को दोनों के शव गांव के पास तालाब में उतराते मिले। पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोनों मृतकों के परिजन हाइवे पर आ गए और रास्ता जाम कर दिया। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी ने कड़ी कार्रवाई का आश्वाशन देकर जाम हटाया। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। जरवलरोड थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुस्तफाबाद के मजरा चुरईपुरवा निवासी महेश (37) व राजू (23) पांच दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गए थे। जिसके बाद से परिजन दोनों की तलाश कर रहे थे। परिजनों ने जरवलरोड़ थाने पर तहरीर देकर पुलिस से भी दोनों को तलाशने की मांग की थी। लेकिन आरोप है पुलिस लापरवाह बनी रही और परिजनों से स्वयं ढूंढने को कहकर वापस कर दिया। इसी बीच सोमवार को थाना क्षेत्र के रिठौना में लखनऊ-बहराइच हाइवे किनारे स्थित लोहिया तालाब में दोनों के शव उतराते मिले। एक साथ दो शव मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। होते बिलखते परिजन घटना स्थल पर पहुंचे। वहीं इस दौरान परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने लखनऊ-बहराइच हाइवे जाम कर दिया। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी दद्दन सिंह ने परिजनों का मान-मनौव्वल कर जाम हटाया। थाना प्रभारी दद्दन सिंह ने बताया की शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। हाइवे पर बिलख रहे परिजनों ने आरोप लगाया कि दोनों शवों पर चोट के निशान हैं। पांच दिन से सभी तालमटोल कर रहे थे। ऐसे में अगर थाना प्रभारी गंभीरता से दोनों की तलाश करते तो उनकी जान बच जाती। दो-दो मौत से गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

भाजपा-कांग्रेस में कोई अंतर नहीं: ओवैसी

» बोले- सिर्फ कपड़ों और दाढ़ी पर राजनीति करनी आती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख रेवंत रेड्डी ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर कटाक्ष किया था कि वह आरएसएस की कठपुतली हैं और अल्पसंख्यक वर्ग को निशाना बनाकर राजनीति करते हैं। इस पर पलटवार करते हुए ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ कपड़ों और दाढ़ी पर राजनीति करनी आती है। जब कुछ नहीं मिलता, तो वे ऐसी राजनीति करने लगते हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने सार्वजनिक रैली में कहा, आपके (रेवंत रेड्डी) पास हमारे खिलाफ आलोचना करने के लिए कुछ भी नहीं है, आप हमारे कपड़ों और दाढ़ी के बारे में बोलते हैं और हम पर हमला करते हैं, आप आरएसएस की कठपुतली हैं, भाजपा और कांग्रेस के बीच कोई अंतर नहीं है।

तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख ने रविवार को ओवैसी पर हमला करते हुए कहा था कि वह शेरवानी के नीचे खाकी निकर पहनते हैं। ओवैसी ने तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख पर हमला करते हुए कहा, तेलंगाना पीसीसी प्रमुख ने चड्डी पहनकर आरएसएस सदस्य के रूप में शुरुआत की और फिर एबीवीपी में चले गए। इसके बाद तेलुगु देशम में शामिल हो गए और अब कांग्रेस में आ गए हैं, किसी ने सही कहा है कि कांग्रेस के गांधी भवन पर मोहन भागवत का कब्जा है और वे जैसे चाहें कांग्रेस चलाएंगे।

ट्रक के नीचे घुसी कार, 6 की मौत

» दिल्ली से हरिद्वार जा रहे थे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। यूपी के मुजफ्फरनगर में मंगलवार (14 नवंबर) सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। ये हादसा हाईवे पर अनियंत्रित कार के ट्रक के नीचे घुसने से हुआ है। कार के ट्रक से टकराने के बाद सड़क पर चीख पुकार मच गई। कार सवार दिल्ली से हरिद्वार जा रहे थे। सड़क हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

मौके पर पुलिस बल मौजूद है, मृतकों के शवों की सिनाख्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है, ये घटना थाना छपार क्षेत्र में एनएच-58 की है, सुबह सड़क हादसे की सूचना मिली थी। राजमार्ग पर हुई दुर्घटना में कार सवार छह लोगों की मौत हुई है। पीड़ित, जो दिल्ली के थे, हरिद्वार जा रहे थे। घटना सुबह करीब चार बजे हुई है।

मोदी व खरगे ने नेहरू को याद किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर मंगलवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। सोनिया गांधी, राहुल, गांधी सहित कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने भी चाचा नेहरू को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,पंडित जवाहर लाल नेहरू एक सोच हैं।

फोटो :4 पीएम

धरना दिवाली के बाद राजधानी लखनऊ में दिखी धूंध की चादर। मौसम विभाग के अनुसार पटाखे के धूएं से एक्यूआई का स्तर भी बढ़ा।

उत्तराखंड टनल में धंसाव, 40 मजदूर फंसे

» ऑल वेदर रोड परियोजना का हिस्सा है ये टनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तरकाशी के बड़कोट में निर्माणाधीन टनल में धंसाव के बाद फंसे मजदूरों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन को पचास घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है, उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन में मलबा हटाने में खासी दिक्कतें आ रही हैं, जितना मलबा नीचे से हटाया जा रहा है ऊपर से मिट्टी उतनी ही गिर रही है।

अधिकारियों ने देहरादून से ऑगर ड्रिलिंग मशीन मंगाई है, जिसके जरिये 900 मिमी का स्टील पाइप डाला जाएगा। टनल के अंदर चालीस मजदूर फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने के लिए तीसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, अबतक टनल में फंसे मजदूरों से वॉकी टॉकी के जरिए संपर्क किया जा रहा है, इसके साथ ही पाइप के जरिये ऑक्सीजन का भी प्रबंध किया गया है और खाने-पीने का सामान मजदूरों तक पहुंचाया जा रहा है, श्रमिकों के पास रोशनी के लिए मशालें भी हैं।

उत्तरकाशी से यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाली ये सुरंग 4.5 किमी है लंबी

ये टनल ऑल वेदर रोड परियोजना का हिस्सा है। इसके तहत उत्तरकाशी से यमुनोत्री धाम को जोड़ा जा रहा है। ये सुरंग 4.5 किमी लंबी है, जिसका निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की देखरेख में नवयुग इंजीनियरिंग द्वारा किया जा रहा है। इसके अगले फरवरी तक पूरा होने की उम्मीद थी, लेकिन इस हादसे के बाद इसमें और वक्त लग सकता है।

ऊपर से लगातार गिर रहा है मलबा

रंजीत सिन्हा ने बताया कि सुरंग क्षेत्र की चट्टान काफी ढीली हैं, यहां की मिट्टी भुरभुरी है, जिसकी वजह से मलबा हटाने पर ऊपर से और मलबा गिर रहा है। ऐसे में शॉटक्रीट तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, इसके तहत जैसे ही मलबा हटाया जाता है, उसके तुरंत बाद हाई प्रेशर के साथ छत पर कंक्रीट फेंका जाता है। इस तकनीक से हमें आशिक सफलता मिल रही है। आपदा सचिव ने बताया कि एक दूसरा विकल्प भी तलाशा जा रहा है, जिसके तहत मलबे में छेद करने के लिए देहरादून से एक ड्रिलिंग मशीन मंगाई गई है। इसके जरिए अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए 900 मिमी स्टील पाइप डालकर रास्ता बनाया जाएगा. उम्मीद है कि बुधवार से टनल में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा।

बाहरी राज्यों के श्रमिक फंसे

इस टनल में कई राज्यों के मजदूर फंसे हुए हैं। उत्तरकाशी आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर दी गई लिस्ट के मुताबिक टनल में फंसे मजदूरों में सबसे ज्यादा झारखंड के 15 मजदूर हैं। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश हैं, जिसके 8 मजदूर फंसे हुए हैं। इसके अलावा बिहार के 3, बंगाल के 4, उत्तराखंड के 2, हिमाचल का 1, असम के 2, उड़ीसा के 5 मजदूर शामिल हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।